

18/3/24

पताबली पेरा हुई। अर्थात् अपा। प्रसरण में आया जाता
उपास्थित होकर अर्थात्-पत्र विज्ञा का पेरा कर ~~उपेक्षा~~
अर्थात् प्रया चाही गरि बुझी हो पाये ले प्रसरण को
विज्ञा किने जाने का निवेदन किया। अर्थात् प्रया
पहचान-स्वरूप आधार मरि की प्रति पेरा की। अतः
अर्थात् प्रया प्रसरण में कोई मरिवाही नहीं चाहने ले
कोई मरिवाही शेष नहीं रहती है। अतः प्रसरण को
उसी स्वरूप पर शेष किया जाता है। पताबली
केवल प्रसार होकर प्रसरण से बनती।

निर्णय सुनाया गया।

